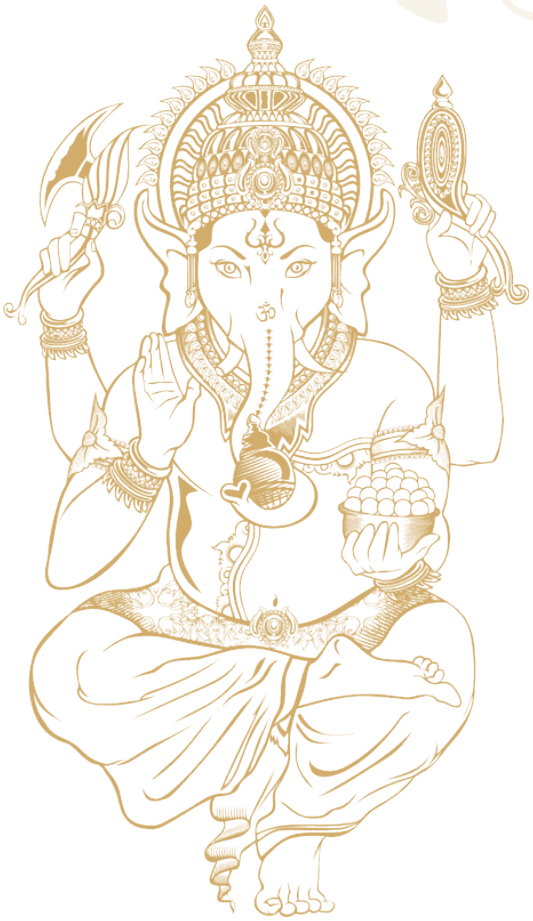

M

21 May 1992

05:00 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121207003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/05/1992**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:00:00 घंटे**
इष्ट	28:59:47 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:39:12 घंटे
वेलान्तर	00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	08:36:37 घंटे
सूर्योदय	05:24:05 घंटे
सूर्यास्त	19:11:04 घंटे
दिनमान	13:46:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	06:53:52 वृष
लग्न के अंश	10:04:35 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:04:35	307:37:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			वृष	06:53:52	00:57:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	02:09:29	11:56:42	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			मीन	18:07:58	00:45:31	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	25:02:16	01:59:39	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			सिंह	11:31:10	00:03:39	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृष	00:37:24	01:13:44	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			मक	24:41:32	00:00:42	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु			धनु	07:10:35	00:01:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु			मिथु	07:10:35	00:01:37	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	23:54:30	00:01:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप	व		धनु	24:57:04	00:00:56	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	27:33:18	00:01:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	13:00:39	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:19

लग्न-चलित

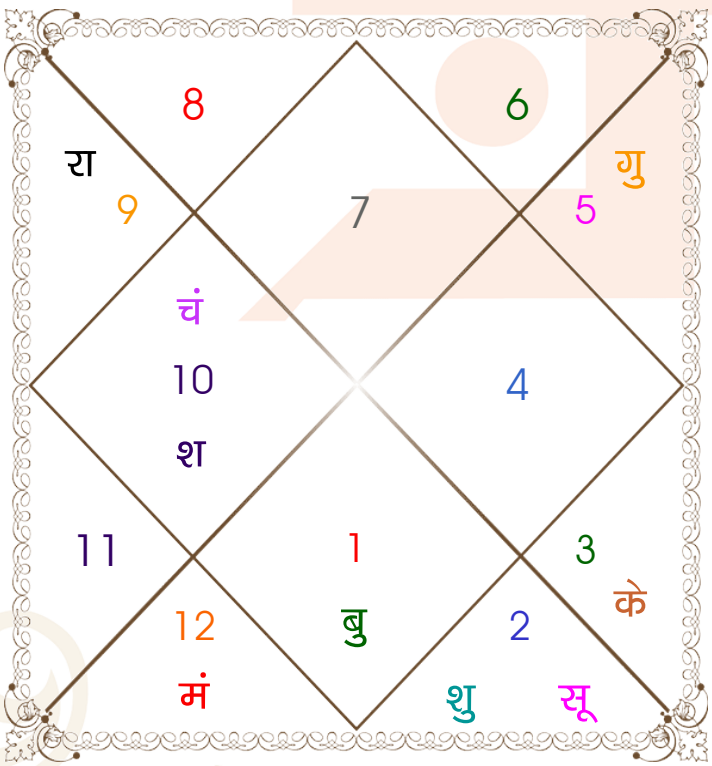

चन्द्र कुंडली

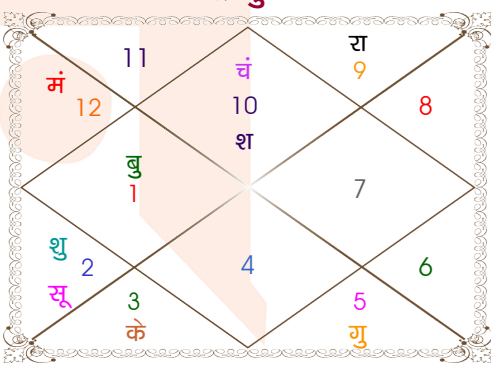

नवमांश कुंडली

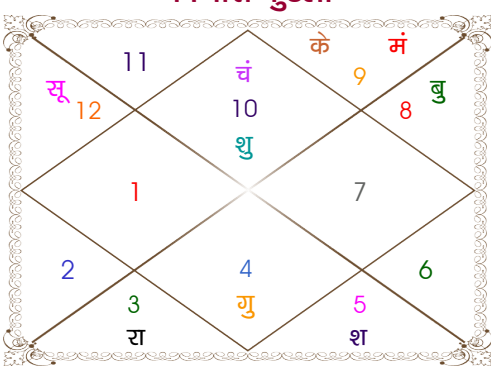

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 6 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/05/1992		01/12/1995		01/12/2005		30/11/2012		01/12/2030	
01/12/1995		01/12/2005		30/11/2012		01/12/2030		01/12/2046	
	00/00/0000	चंद्र	30/09/1996	मंगल	29/04/2006	राहु	14/08/2015	गुरु	18/01/2033
	00/00/0000	मंगल	02/05/1997	राहु	17/05/2007	गुरु	06/01/2018	शनि	01/08/2035
	00/00/0000	राहु	31/10/1998	गुरु	22/04/2008	शनि	12/11/2020	बुध	06/11/2037
	21/05/1992	गुरु	01/03/2000	शनि	01/06/2009	बुध	01/06/2023	केतु	13/10/2038
गुरु	07/10/1992	शनि	01/10/2001	बुध	29/05/2010	केतु	19/06/2024	शुक्र	13/06/2041
शनि	19/09/1993	बुध	02/03/2003	केतु	25/10/2010	शुक्र	20/06/2027	सूर्य	01/04/2042
बुध	26/07/1994	केतु	01/10/2003	शुक्र	25/12/2011	सूर्य	13/05/2028	चंद्र	01/08/2043
केतु	01/12/1994	शुक्र	01/06/2005	सूर्य	01/05/2012	चंद्र	12/11/2029	मंगल	07/07/2044
शुक्र	01/12/1995	सूर्य	01/12/2005	चंद्र	30/11/2012	मंगल	01/12/2030	राहु	01/12/2046

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/12/2046		01/12/2065		01/12/2082		01/12/2089		02/12/2109	
01/12/2065		01/12/2082		01/12/2089		02/12/2109		00/00/0000	
शनि	04/12/2049	बुध	28/04/2068	केतु	29/04/2083	शुक्र	01/04/2093	सूर्य	21/03/2110
बुध	13/08/2052	केतु	25/04/2069	शुक्र	28/06/2084	सूर्य	01/04/2094	चंद्र	20/09/2110
केतु	22/09/2053	शुक्र	24/02/2072	सूर्य	03/11/2084	चंद्र	01/12/2095	मंगल	26/01/2111
शुक्र	21/11/2056	सूर्य	31/12/2072	चंद्र	04/06/2085	मंगल	30/01/2097	राहु	20/12/2111
सूर्य	03/11/2057	चंद्र	01/06/2074	मंगल	31/10/2085	राहु	31/01/2100	गुरु	22/05/2112
चंद्र	05/06/2059	मंगल	29/05/2075	राहु	19/11/2086	गुरु	02/10/2102		00/00/0000
मंगल	13/07/2060	राहु	16/12/2077	गुरु	26/10/2087	शनि	02/12/2105		00/00/0000
राहु	20/05/2063	गुरु	23/03/2080	शनि	03/12/2088	बुध	01/10/2108		00/00/0000
गुरु	01/12/2065	शनि	01/12/2082	बुध	01/12/2089	केतु	02/12/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।